आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 08.02.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- भारत ने एक सौ गीगा वाट सौर ऊर्जा उत्पादन करके नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।
- 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने लगाया पदकों का अर्द्धशतक। दस हजार मीटर महिला दौड़ में उत्तराखंड ने आज रजत और कांस्य पदक जीता।
- विद्यालयी शिक्षा विभाग में सीआरपी और बीआरपी भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश।
- नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उत्तराखंड के प्रमुख स्थलों तक इस वर्ष से निर्बाध बस सेवा उपलब्ध होगी।

सौर ऊर्जा उपलब्धि

भारत ने एक सौ गीगावॉट से अधिक सौर ऊर्जा उत्पादन करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इससे अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति सुदृढ़ हुई है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने एक वक्तव्य में कहा कि यह उपलब्धि स्वच्छ, हरित भविष्य के प्रति देश की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2030 तक पांच सौ गीगा वॉट गैर–जीवाश्म ईंधन–आधारित ऊर्जा क्षमता के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में भारत की ऊर्जा यात्रा ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रही है। उन्होंने कहा कि सौर पैनल, सौर पार्क और रूफटॉप सौर जैसी परियोजनाएं क्रांतिकारी बदलाव लेकर आई हैं। उन्होंने कहा कि भारत न केवल आत्मनिर्भर बन रहा है बल्कि दुनिया को हरित ऊर्जा के क्षेत्र में नई राह भी दिखा रहा है। भारत ने सौर विनिर्माण में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है।

राश्ट्रीय खेल

38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने पदकों का अर्द्धशतक पूरा कर लिया है। उत्तराखंड ने अब तक आठ स्वर्ण, बाईस रजत और बाईस कांस्य पदकों के साथ पचास पदक हासिल किये हैं और इस समय उत्तराखंड पदक तालिका में ग्याहरवें स्थान पर है। इस बीच, राष्ट्रीय खेलों में ऐथलेटिक्स की प्रतियोगितांए शुरू हो गई हैं। इसमें उत्तराखंड की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन किया। दस हजार मीटर महिला दौड़ में उत्तराखंड की अंकिता ने सिल्वर मेडल और सोनिया ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया है।

रिवर राफ्टिंग

38वें राष्ट्रीय खेलों के तहत चंपावत जिले की महाकाली नदी पर आज से रिवर राफ्टिंग प्रतियोगिता शुरू हो गई है। तीन दिनों तक चलने वाली यह प्रतियोगिता टनकपुर बूम में आयोजित की जा रही है। जिलाधिकारी नवनीत पाण्डेय ने बताया कि राफ्टिंग प्रतियोगिता में उत्तराखंड के अलावा आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं।

यूसीसी

समान नागरिक संहिता–यूसीसी के लिए ड्राफ्ट तय करने वाली विशेषज्ञ कमेटी की सदस्य प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल के अनुसार यूसीसी के जरिए न सिर्फ महिलाओं और बच्चों की सामाजिक आर्थिक सुरक्षा मजबूत हुई है, बल्कि इससे विवाह संस्था को भी मज़बूती मिलेगी। प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि यूसीसी की भावना ही, लिंग आधारित भेदभाव को समाप्त करते हुए समता स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि अभी कई ऐसे मामले सामने आ रहे थे, जिसमें महिलाओं को पता ही नहीं होता था कि उनके पति की दूसरी शादी भी है। कुछ जगह धार्मिक पंरपराओं की आड़ में भी ऐसा किया जा रहा था। इस तरह अब शादी का पंजीकरण अनिवार्य किए जाने से, महिलाओं के साथ इस तरह का धोखे की सम्भावना न्यूनतम हो जाएगी। साथ ही इससे चोरी छिपे 18 साल से कम उम्र में लड़कियों की शादी की कुप्रथाओं पर रोक लग सकेगी। इससे बेटियां अपनी उच्च शिक्षा जारी रख सकती हैं। प्रोफेसर डंगवाल के मुताबिक उत्तराखंड समान नागरिक संहिता में व्यक्ति की मौत होने पर उनकी संपत्ति में पत्नी और बच्चों के साथ माता पिता को भी बराबर के अधिकार दिए गए हैं। इससे बुजुर्ग माता पिता के अधिकार भी सुरक्षित रह सकेंगे। इसी तरह लिव इन से पैदा बच्चे को भी विवाह से पैदा संतान की तरह माता और पिता की अर्जित संपत्ति में हक दिया गया है। इससे लिव इन रिलेशनशिप में जिम्मेदारी का भाव आएगा, साथ ही विवाह एक संस्था के रूप में और अधिक समृद्ध होगा।

सीआरपी–बीआरपी भर्ती

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विद्यालयी शिक्षा विभाग में संकुल रिसोर्स पर्सन– सीआरपी और ब्लॉक रिसोर्स पर्सन– बीआरपी भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में आयोजित बैठक में प्रयाग पोर्टल के माध्यम से सीआरपी–बीआरपी के कुल 955 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रयाग पोर्टल में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों को लेकर कौशल विकास व सेवायोजन विभाग संबंधित शासनादेश में आंशिक संशोधन का प्रस्ताव तैयार कर कैबिनेट में प्रस्तुत करेगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि प्रायग पोर्टल पर प्रदेश के हजारों छात्र–छात्राओं ने सीआरपी–बीआरपी के लिये अपना पंजीकरण कराया है। पोर्टल की विसंगतियां दूर होते ही एक माह के भीतर सीआरपी–बीआरपी के रिक्त पदों के सापेक्ष चयनित आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से युवाओं को मेरिट

के आधार पर तैनाती दी जायेगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इसके लिये अन्य सभी तैयारियां पुख्ता करने के निर्देश दिए हैं।

परिवहन निगम समझौता

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उत्तराखंड के प्रमुख स्थलों तक निर्बाध बस सेवा उपलब्ध होगी। इसके लिए नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और उत्तराखंड परिवहन निगम के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। नोएडा हवाई अड्डे पर इस ग्रीष्मकाल से यात्रियों के लिए उड़ानें शुरू हो जाएंगी। इसके बाद उत्तराखंड परिवहन निगम, नोएडा हवाई अड्डे को देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार और हल्द्वानी सहित राज्य के प्रमुख स्थलों तक निर्बाध बस सेवाएं उपलब्ध कराएगा। यह पहल क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे यात्री आसानी और सुविधाओं के साथ अपने गंतव्यों तक पहुंच पाएंगे। उत्तराखंड परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक ने इस समझौते को क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह सहयोग हवाई और सड़क परिवहन को निर्बाध रूप से एकीकृत करेगा, जिससे यात्रियों को एक सहज और कुशल यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।

सुगम्य भारत अभियान

केंद्र सरकार की ओर से संचालित "सुगम्य भारत अभियान" के तहत पौड़ी जिले में दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य यात्रा का शुभारंभ किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी अरविन्द कुमार ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों को विभिन्न सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक स्थानों का भ्रमण करवाकर यह सुनिश्चित किया जाता है कि उनके आवागमन में कोई समस्या न हो। उन्होंने बताया कि अगर किसी स्थान पर अवरोध पाया जाता है, तो उसे दूर करने के प्रयास किए जाते हैं।

समाज सुगम्य भारत अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों और सरकारी इमारतों को दिव्यांगजनों के लिए सुगम बनाना है। इस पहल के तहत दिव्यांग जनों के लिए परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित की जाती है।

नीट–यूजी

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा–स्नातक, नीट–यूजी चार मई को आयोजित की जाएगी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने यह जानकारी दी है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो सात मार्च को समाप्त होगी। परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या के लिहाज से यह देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा है। वर्ष 2024 में रिकॉर्ड 24 लाख से ज़्यादा उम्मीदवारों ने परीक्षा दी थी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी, हर साल मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए नीट का आयोजन करती है। एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए देश में कुल 1 लाख 08 हजार सीटें उपलब्ध हैं। इनमें से लगभग 56 हजार सीटें सरकारी

अस्पतालों में और लगभग 52 हजार सीटें निजी कॉलेजों में हैं। दंत चिकित्सा, आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध चिकित्सा में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी नीट के परिणामों का इस्तेमाल किया जाता है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने पिछले महीने घोषणा की थी कि यह महत्वपूर्ण परीक्षा 'पेन और पेपर' मोड में ही आयोजित की जाएगी।